भारत सरकार

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्न सं. **989**

सोमवार, 3 दिसम्‍बर, 2012 को उत्तर के लिए

**‘वेव राइडर ब्‍वॉय’ द्वारा वास्‍तविक आंकड़े विकसित किया जाना**

**989. श्री बैष्‍णव परिडा :**

क्‍या **पृथ्‍वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

1. क्‍या देश में मछुआरों के लिए उपग्रह-प्रणाली के माध्‍यम से ‘वेव राइडर ब्‍वॉय’ द्वारा वास्‍तविक आंकड़े विकसित किए जाने का प्रस्‍ताव है;
2. यदि हाँ, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है;
3. क्‍या इस प्रणाली ने देश में पहले ही काम करना शुरू कर दिया है; और
4. इससे मछुआरों को उनकी सुरक्षा हेतु किस सीमा तक सहायता प्राप्‍त होगी ?

**उत्तर**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(श्री एस. जयपाल रेड्डी)

1. जी हाँ।
2. पृथ्‍वी प्रणाली विज्ञान संगठन (ईएसएसओ) के स्‍वायत्तशासी संस्‍थान भारतीय राष्‍ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्‍द्र (इंकॉइस) ने भारत के तटीय समुद्रों में विशाखापट्टनम, पुदुच्‍चेरी, वेदारण्‍यम, कोल्‍लम, कारवार, रत्‍नागिरी तथा पोर्ट ब्‍लेयर के निकट सात वेव राइडर ब्‍वायों के एक सेट (समुद्री तरंगों को मापने का एक उपकरण) को तैनात किया है। इन ब्‍वायों से प्राप्‍त डेटा को वास्‍तविक समय पर इंकॉइस तथा स्‍थानीय केन्‍द्रों यथा विश्‍वविद्यालयों के विभागों, एनजीओ के कार्यालयों, मत्‍स्‍य संघों, बंदरगाहों तथा हार्बरों को एचएफ ट्रांसमीटरों तथा इनसेट उपग्रह लिंक के माध्‍यम से संप्रेषित किया जा रहा है। वर्तमान में यह डेटा **(i)** मछुआरों को समुद्र दशा पर परामर्शी सूचना उपलब्‍ध कराने **(ii)** समुद्र में सुरक्षित नौवहन तथा प्रचालन के लिए दैनिक आधार पर 5 दिन अग्रिम ही इंकॉइस द्वारा जारी किए गए समुद्र दशा पूर्वानुमानों के निरन्‍तर वैधीकरण **(iii)** चक्रवातों तथा खराब मौसम के दौरान मछुआरों तथा तटीय जनता को ‘उच्‍च तरंग अलर्ट’ जारी करने हेतु तरंगों की वास्‍तविक-समय मानीटरिंग के लिए इस्‍तेमाल किया जा रहा है।
3. जी हाँ।
4. यह प्रणाली देश में पहले से ही कार्य कर रही है। तमिलनाडु में एम.एस. स्‍वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) पुदुच्‍चेरी तथा वेदारण्‍यम के तटों से दूर तैनात किए गए वेव राइडर ब्‍वायों से वास्‍तविक समय के डेटा प्राप्‍त करता है तथा इसे अगले 5 दिनों के समुद्र दशा पूर्वानुमान सहित स्‍थानीय भाषा में पाठ्य तथा वॉइस एसएमएस के माध्‍यम से स्‍थानीय मछुआरों को प्रसारित करता है। इसी प्रकार, अन्‍य स्‍थानों पर तैनात किए गए वेव राइडर ब्‍वायों से प्राप्‍त डेटा को भी स्‍थानीय एनजीओ तथा मत्‍स्‍य संघों के जरिये स्‍थानीय मछुआरों को प्रसारित किया जाता है। मछुआरों से प्राप्‍त फीडबैक से पता चलता है कि यह सूचना उनके मत्‍स्‍य प्रचालनों के नियोजन के लिए अत्‍यन्‍त उपयोगी पाई गई है। एमएसएसआरएफ द्वारा किए गए अध्‍ययन से पता चला है कि मछुआरे समुद्र दशा पूर्वानुमान सुनने के बाद ही समुद्र में जाते हैं। एमएसएसआारएफ ने रिपोर्ट दी है कि उनके द्वारा स्‍थापित ’मछुआरा हैल्‍प लाइन’ को वास्‍तविक समय समुद्र दशा पूर्वानुमान तथा समुद्र पूर्वानुमान पर लगभग 2000 प्रश्‍न प्राप्‍त हुए जो उस महीने में प्राप्‍त हुए कुल प्रश्‍नों का 70% है। एनजीओ तथा मत्‍स्‍य संघों से प्राप्‍त रिपोर्टों ने यह दर्शाया है कि समुद्र दशा सूचना ने बुरे मौसम के दौरान जीवन बचाने में सहायता की है।

\*\*\*\*\*